MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2019–2020 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2019 सत्र के लिए	31 मार्च 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2020	

शुभकामनाओं के साथ,

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत, प्रासंगिक और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारत की आजादी में गाँधी के राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवादी विचारों ने कैसे योगदान दिया, व्याख्या कीजिए।
2. गाँधी की जिंदगी के उन निर्णायक क्षणों और घटनाओं का वर्णन कीजिए जिसने उनके चरित्र का निर्माण किया।
3. निम्नलिखित विषयों की मूल विशेषताएं एवं गाँधी के लिए इनके महत्त्व का उल्लेख कीजिए :
   (क) रामायण का प्रभाव
   (ख) रायचंद भाई का प्रभाव
4. गाँधी के आगमन के दौरान दक्षिण अफ्रीका में रह रहे भारतीयों की स्थितियों की चर्चा कीजिए।
5. सांप्रदायिक अधिनिर्णय (Communal Award) और पूना संधि के सार को संक्षेप में समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) खेड़ा सत्याग्रह (1918)
   (ख) चम्पारण सत्याग्रह (1917–18)
7. (क) अहिंसक संघर्ष का महत्व
   (ख) असहयोग आंदोलन की उपलब्धियां
8. (क) गाँधी के रचनात्मक कार्यक्रम
   (ख) गाँधी का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय (1916) में अभिभाषण
9. (क) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन
   (ख) मुस्लिम लीग और पाकिस्तान की माँग
10. (क) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह का योगदान
    (ख) विनायक दामोदर सावरकर की 'एसेंशियल ऑफ हिन्दुइज़्म'

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी के अहिंसा के सिद्धांत पर भारतीय धर्म के प्रभाव पर प्रकाश डालें।
2. गाँधी के आर्थिक और राजनीतिक दर्शन पर पश्चिमी विचारकों के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।
3. गाँधी की जिंदगी में सच का अर्थ और महत्व को समझाएं।
4. गाँधी के अनासक्ति योग का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
5. जॉन रस्किन (1819–1900) के आर्थिक विचारों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) सत्याग्रह और अहिंसा
   (ख) हिन्दू धर्म पर गाँधी के विचार
7. (क) भक्ति आंदोलन
   (ख) अस्पृश्यता पर गाँधी के विचार
8. (क) आधुनिक सभ्यता पर गाँधी के विचार
   (ख) ग्रामीण अर्थव्यवस्था
9. (क) गाँधी के सर्वोदय पर विचार
   (ख) स्वराज के आर्थिक आधार
10. (क) गाँधी के कर्त्तव्य का सिद्धांत और अधिकार के साथ इसका संबंध
    (ख) गाँधी के स्वराज का सिद्धांत

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. वैष्णव धर्म पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।
2. भारतीय सामाजिक व्यवस्था के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
3. हिन्दू–मुस्लिम एकता पर गाँधी के दृष्टिकोण की समीक्षा कीजिए।
4. ब्रिटिश–भारत में सांप्रदायिक दंगे पर गाँधी के विश्लेषण की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
5. आधुनिकता पर गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) सांप्रदायिकता और अल्पसंख्यकों का अधिकार
   (ख) गाँधी के धार्मिक विचार

7. (क) अस्पृश्यता
   (ख) 'ग्राम स्वराज' की गाँधीवादी अवधारणा

8. (क) सत्य के सिद्धांत में गाँधीवादी विचार
   (ख) पर्यावरण पर गाँधी के विचार

9. (क) श्रम पर गाँधी के विचार
   (ख) स्वास्थ्य पर गाँधी के विचार

10. (क) महिलाओं पर गाँधी के विचार
    (ख) समानता पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी शांतिवाद के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।
2. ग्राम स्वराज के गाँधी के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
3. औद्योगिकीकरण पर गाँधी की आलोचना की व्याख्या कीजिए।
4. गाँधी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मूल्यांकन की समीक्षा कीजिए।
5. साध्य और साधन की महत्ता पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) राष्ट्रवाद पर गाँधी के सिद्धांत
   (ख) उदारवाद और संविधानवाद का सिद्धांत
7. (क) उपनिवेशवाद के विरुद्ध गाँधी के अहिंसात्मक संघर्ष
   (ख) राज्य और नागरिकता पर गाँधी के विचार
8. (क) समाजवाद और साम्यवाद का अर्थ
   (ख) रचनात्मक कार्यक्रम का महत्त्व
9. (क) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
   (ख) फासीवाद पर गाँधी के विचार
10. (क) गाँधीवादी न्यास के मुख्य तत्व
    (ख) अधिकार और कर्त्तव्य पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी की 'स्वदेशी' की अवधारणा क्या है, क्या यह गीता में वर्णित 'स्वधर्म' के समान है? व्याख्या कीजिए।
2. आधुनिक अर्थव्यवस्था के विरुद्ध गाँधी द्वारा उठाये गये मुख्य आलोचनाओं का परीक्षण कीजिए।
3. श्रम के घटक क्या हैं? शारीरिक और बौद्धिक श्रम से आप क्या समझते हैं? वर्णन कीजिए।
4. जे. के. मेहता के दार्शनिक अर्थव्यवस्था संबंधी दृष्टिकोण की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
5. औद्योगीकरण का गाँधीवादी प्रारूप का वर्णन कीजिए एवं समकालीन भूमंडलीकृत विश्व में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आंदोलन
   (ख) वर्तमान दुनिया में गाँधी के स्वदेशी सिद्धांत की प्रासंगिकता
7. (क) गाँधी द्वारा प्रस्तावित न्यासिता का सिद्धांत
   (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित 'आवश्यकताओं की सीमा' का सिद्धांत
8. (क) गाँधी का आत्मनिर्भरता का सिद्धांत
   (ख) ग्राम विकास पर गाँधी के सिद्धांत
9. (क) अहिंसक आर्थिक व्यवस्था के आधार
   (ख) कुटीर उद्योग का महत्व
10. (क) विकास संबंधी गाँधीवादी विचार
    (ख) सत्तत अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी उपरांत राजनीतक संरचना और इसकी कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए।
2. राष्ट्रवादी आंदोलन के दौरान व्यक्तिगत आंदोलन की व्याख्या कीजिए।
3. वर्तमान समय में मानव जाति को प्रभावित करने वाले पारिस्थितिक मुद्दों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. मद्य–निषेध नीति और भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधित प्रमुख समस्याओं की व्याख्या कीजिए।
5. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संपूर्ण क्रांति
   (ख) भूदान आंदोलन
7. (क) महिलाओं और नागरिक अधिकार आंदोलन
   (ख) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) जल–संरक्षण आयोग
9. (क) अहिंसात्मक आंदोलन के प्रकार
   (ख) पर्यावरण–नारीवाद आंदोलन
10. (क) पोलैंड में अहिंसात्मक सॉलिडेरिटी आंदोलन
    (ख) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. वैश्वीकरण की अवधारणा और अर्थ को समझायें तथा आर्थिक वैश्वीकरण के मूल उद्भव का अनुरेखण कीजिए।
2. विश्व व्यवस्था निर्माण और संचालन हेतु गाँधी के विचारों का वर्णन कीजिए।
3. नारी सशक्तिकरण के प्रति गाँधी के योगदान की विवेचना कीजिए।
4. आतंकवाद को परिभाषित कीजिए, आतंकवाद प्रसार के नियंत्रण के लिए गाँधी के विचार पर प्रकाश डालें।
5. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं, भारतीय समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है? विस्तार से बताएँ।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) सर्वोदय पर आधारित विश्व व्यवस्था पर गाँधीवादी विचार
   (ख) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
7. (क) मार्क्सवादी और सामाजिक लोकतंत्र में अंतर
   (ख) ग्राम स्वराज और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता
8. (क) धर्म और राजनीति
   (ख) भारत और सांस्कृतिक विविधता
9. (क) आधुनिक मशीन पर गाँधी के विचार
   (ख) सामाजिक समावेश की गाँधीवादी विधि
10. (क) मानवाधिकार पर गाँधी
    (ख) समकालीन महिलाओं के आंदोलन के लिए गाँधीवादी विरासत

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. पारिस्थितिकी और विकास पर बदलते परिप्रेक्ष्य का परीक्षण कीजिए।
2. गाँधी द्वारा आश्रम जीवन की वकालत के महत्त्व पर प्रकाश डालें।
3. गाँधीवादी विकास के आध्यात्मिक बुनियाद की विवेचना कीजिए।
4. भारत और दक्षिण अफ्रीका में गाँधी के आश्रम में सामुदायिक जीवन का परीक्षण कीजिए।
5. गहन पारिस्थितिकी का क्या मतलब है? इसके अर्थ और महत्व को समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में पर्यावरण और संरक्षण पर गाँधी के विचार
   (ख) विकास की ओर गाँधी के दृष्टिकोण
7. (क) सामुदायिक जीवन पर गाँधी के विचार
   (ख) मानवता के गाँधीवादी सिद्धांत
8. (क) भारत में पर्यावरण शिक्षा
   (ख) ग्राम स्वराज पर गाँधी के विचार
9. (क) लघु और सादगी सुंदर होती है
   (ख) रालेगन सिद्धि और मानव विकास
10. (क) मानव पारिस्थितिकी की अवधारणा
    (ख) राजस्थान की शुष्क भूमि में जल संचयन